पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

दिनांक 14.09.2020 को पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2020 से 28.09.2020 का आयोजन कोविड 19 के अन्तर्गत सुरक्षा मानक के साथ सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करते हुए किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो0 डा0 संतोष भदौरिया, हिन्दी विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर **राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला** का आरम्भ हुआ। व्याख्यानमाला के अन्तर्गत प्रतिवर्ष हिन्दी पखवाड़े के दौरान किसी प्रख्यात भाषाविद् द्वारा विज्ञान प्रसार में हिन्दी की भूमिका पर व्याख्यान दिया जाएगा। व्याख्यानमाला का प्रथम व्याख्यान देते हुए प्रो0 भदौरिया ने हिन्दी के विषद् समावेशी स्वाभाव तथा उदारता पर बल दिया। उन्होने कहा हिन्दी यद्यपि अभी विज्ञान की भाषा बनने की प्रक्रिया में है किन्तु वैज्ञानिक शोध के भारतीय समाज में प्रसार हेतु सबसे सुयोग्य साधन है। कार्यक्रम में डा0 भदौरिया तथा केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा केन्द्र से प्रकाशित पुस्तक **बाँसः प्रवर्धन एवं प्रबन्धन** का विमोचन भी किया गया ।

केन्द्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद व्यक्त करते हुए हिन्दी की उत्पत्ति से लेकर आज तक के सफर से अवगत कराया; साथ ही सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जो देश अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं वह विकास की कतार में सबसे आगे खड़े हैं। उन्होने केन्द्र के समस्त कर्मचारियों को सरल एवं सहज हिन्दी प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. कुमुद दूबे ने हिन्दी की महत्ता के बारे में बताया तथा उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किये जा रहे सतत प्रयास से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनिता तोमर ने केन्द्र में चल रही परियोजनाओं से अवगत कराया तथा परियोजनाओं के कार्यों को यथोचित रूप से हिन्दी में करने की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक से सभा को अवगत कराया तथा उनके द्वारा कहा गया कि कार्यालय के कार्यों को अत्यधिक रूप से हिन्दी में किया जाएगा। केन्द्र की वैज्ञानिक तथा हिन्दी अधिकारी डा. अनुभा श्रीवास्तव ने राजभाषा हिन्दी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिन्दी को लिखित तथा मौखिक हर रूप में सरकारी गैर.सरकारी आदि स्थानों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने की बात कही। उद्घाटन कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने में केन्द्र की वैज्ञानिक हिन्दी अधिकारी डा अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा इसके आयोजन में तकनीकी अधिकारी डा. एस डी शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा। हिन्दी पखवाड़ा अवधि में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

दिनांक 28.09.2020 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज (पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) में चल रहे हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि यश मालवीय , प्रसिद्ध काव्य साहित्यकार तथा डॉ. संजय सिंह , केंद्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। यश मालवीय ने हिंदी भाषा के उपयोग करने पर बल देने के साथ **राजभाषा प्रशस्ति काव्य पाठ** के अंतर्गत अपनी ख्यात रचनाओं से रूबरू कराया। उनके गीतों "फूल हैं हम हासियों के" तथा "कोई चिंगारी तो उछले" ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ संजय सिंह ने केंद्र के हिंदी में विज्ञान प्रसार के प्रयासों की विस्तृत चर्चा की। कार्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ . अनुभा श्रीवास्तव द्वारा केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय के कार्यों को हिंदी में अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया गया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे तथा अनीता तोमर ने भी शोध कार्यों को यथासंभव हिंदी में करने पर बल दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किसानों तक विज्ञान को ले जाने हेतु हिंदी में लेख लिखने पर बल दिया।

कार्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ . श्रीवास्तव द्वारा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा भाषण प्रतियोगिता , त्वरित लेखन, श्रुतलेखन तथा काव्य पाठन आदि कार्यक्रम की जानकारी दी गई। हिन्दी में प्रकाशित वैज्ञानिक लेखन प्रतियोगिता में डॉ अनुभा श्रीवास्तव, डॉ अनीता तोमर व आलोक यादव का क्रमशः प्रथम , द्वितीय तथा तृतीय स्थान रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा . एस0 डी0 शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। हिन्दी पखवाडा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी क्रमशः हरीश कुमार , अंकुर श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, चार्ली मिश्रा, अमन मिश्रा तथा सत्यव्रत सिंह आदि रहे। कार्यालय कार्य में अधिकाधिक हिंदी में प्रयोग करने हेतु हरीश कुमार, सहायक, लेखा विभाग को विशेष पुरस्कार दिया गया । अंकुर श्रीवास्तव, सूरज एवं गोपेश आदि को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी अधिकारी द्वारा किया गया।

उदघाटन समारोह की कुछ झलकियाँ

समापन समारोह की कुछ झलकियाँ

हिन्दी पखवाड़ा
FRCER
PRAYAGRAJ

FRCER

FRCER

FRCER

FRCER

FRCER

FRCER
PRAYAGRAJ

FRCER

मीडिया प्रसार

हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह आयोजित

प्रयागराज(नि.सं)। आज दिनांक 14.09.2020 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2020 से 28.09.2020) की शुरुआत कोविड-19 के अन्तर्गत सुरक्षा मास्क के साथ सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करते हुए की गयी। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि डा0 संतोष भदौरिया, हिन्दी विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डा0 भदौरिया ने मातृभाषा हिन्दी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिन्दी को लिखित तथा मौखिक हर रूप में सरकारी, गैर-सरकारी आदि स्थानों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में डा0 भदौरिया तथा केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक "बाँसः प्रवर्धन एवं प्रबन्धन" का विमोचन किया। केन्द्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद व्यक्त करते हुए हिन्दी की उत्पत्ति से लेकर आज तक के सफर से अवगत कराया साथ ही सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जो देश अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं वह विकास की कतार में सबसे आगे खड़े हैं। समस्त प्रतिभागियों एवं अन्य से हिन्दी में कार्य करने हेतु अनुरोध किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. कुमुद दूबे ने हिन्दी की महत्ता के बारे में बताया तथा उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किये जा रहे सतत प्रयास से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनिता तोमर ने केन्द्र में चल

रही परियोजनाओं से अवगत कराया तथा परियोजनाओं के कार्यों को यथोचित रूप से हिन्दी में करने की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक से सभा को अवगत कराया तथा उनके द्वारा कहा गया कि कार्यालय के कार्यों को अत्यधिक रूप से हिन्दी में किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने में केन्द्र की वैज्ञानिक/हिन्दी अधिकारी डा. अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा इसके आयोजन में तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा हिंदी पखवाड़ा की शुरुआत

ए पी सिंह

प्रयागराज (अमर स्तम्भ) कोविड–19 के अंतर्गत सुरक्षा मास्क के साथ सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करते हुए हिन्दी पखवाड़ा की शुरुवात की गई। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि डॉ संतोष भदौरिया, हिंदी विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ भदौरिया ने मातृभाषा हिंदी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिंदी को लिखित और मौखिक हर रूप में सरकारी व गैर–सरकारी आदि स्थानों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में डॉ भदौरिया तथा केंद्र प्रमुख डॉ संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने केंद्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन का विमोचन किया। केंद्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद व्यक्त करते हुए हिंदी की, उत्पत्ति से लेकर आज तक के सफर से अवगत कराया साथ ही सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जो देश अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं वह विकास

की कतार में सबसे आगे खड़े हैं इसके साथ ही उन्होने समस्त प्रतिभागियों एवं अन्य से हिंदी में कार्य करने हेतु अनुरोध किया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे ने हिंदी की महत्ता के बारे में बताया तथा उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने केंद्र में चल रही परियोजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा परियोजनाओं के कार्य को यथोचित रूप से हिंदी में करने की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आलोक यादव ने केंद्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक से सभा को अवगत कराया और कहा कि कार्यालय के कार्यों को अत्यधिक रूप से हिंदी में किया जाएगा। उदघाटन कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने में केंद्र की वैज्ञानिक, हिंदी अधिकारी डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा इसके आयोजन में तकनीकी अधिकारी डॉ एस.डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

राजभाषा प्रशस्ति काव्य पाठ समापन समारोह सम्पन्न

प्रयागराज (अमर स्तम्भ) पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज (पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) में चल रहे हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि यश मालवीय, प्रसिद्ध काव्य साहित्यकार तथा डॉ. संजय सिंह, केंद्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। यश मालवीय ने हिंदी भाषा के उपयोग करने पर बल देने के साथ राजभाषा प्रशस्ति काव्य पाठ के अंतर्गत अपनी ख्याति रचनाओं से रूबरू कराया। उनके गीतों ष्फूल हैं हम हासियों केष् तथा ष्कोई चिंगारी तो उछलेष् ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ संजय सिंह ने केंद्र के हिंदी में विज्ञान प्रसार के प्रयासों की विस्तृत चर्चा की। कार्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ अनुभा श्रीवास्तव द्वारा केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय के कार्यों को हिंदी में अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया गया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे तथा अनीता तोमर ने भी शोध कार्यों को यथासंभव

हिंदी में करने पर बल दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किसानों तक विज्ञान को ले जाने हेतु हिंदी में लेख लिखने पर बल दिया। कार्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ श्रीवास्तव द्वारा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा भाषण प्रतियोगिता, त्वरित लेखन, श्रुतलेखन तथा काव्य पाठन आदि कार्यक्रम की जानकारी दी गई। साहित्य लेखन में डॉ अनुभा श्रीवास्तव, अनीता तोमर व आलोक यादव को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा एस डी शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। हिन्दी पखवाडा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले उम्मीदवार क्रमशः हरीश कुमार, अंकुर श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, चार्ली मिश्रा, अमन मिश्रा तथा सत्यव्रत सिंह आदि रहे। कार्यालय कार्य में अधिकाधिक हिंदी में प्रयोग करने वाले क्रमशः हरीश कुमार, अंकुर श्रीवास्तव, सूरज एवं गोपेश आदि को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

राजभाषा के उत्थान के लिए करें प्रयास

हिंदी पखवाड़ा के तहत कई विभागों एवं संस्थानों में आयोजित हुए कार्यक्रम

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (28 Sept): मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी एमएनएनआईटी में सोमवार को नगर राजभाषा समिति (कार्यालय-2) की वर्ष 2020 की दूसरी छमाही मीटिंग संस्थान के डायरेक्टर प्रो. राजीव त्रिपाठी एवं अध्यक्ष, नराकास प्रयागराज (कार्यालय-2) की अध्यक्षता में ऑनलाइन आयोजित हुई. बैठक का संचालन कुलसचिव एमएनएनआईटी एवं सदस्य सचिव नराकास प्रयागराज डॉ सर्वेश कुमार तिवारी ने किया. नराकास प्रयागराज के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रधान अथवा उनके प्रतिनिधियों ने भी मीटिंग में प्रतिभाग किया और हिंदी भाषा के उन्नयन तथा विकास के लिए अपने विचार रखे. नराकास प्रयागराज अजय मलिक, उप निदेशक, भारत सरकार, गृहमंत्रालय राजभाषा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तरी क्षेत्र-2) ने राजभाषा नियम के अनुपालन की समीक्षा की. प्रो. राजीव त्रिपाठी ने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि राजभाषा के विकास तथा उत्थान के लिए सभी सदस्य कार्यालयों के प्रधानों से अपील की.

पारि-पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केन्द्र में हिंदी पखवाड़े का हुआ समापन

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में चल रहे हिंदी पखवाड़े का सोमवार को समापन हो गया. इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत चीफ गेस्ट फेमस कवि यश मालवीय तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने दीप जलाकर किया. कार्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ अनुभा श्रीवास्तव द्वारा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा भाषण प्रतियोगिता, त्वरित लेखन, श्रुतलेखन तथा काव्य पाठन आदि कार्यक्रम की जानकारी दी गई. जिसमें साहित्य लेखन में डॉ अनुभा श्रीवास्तव, अनीता तोमर व आलोक यादव को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान रहा.

गालिब व तुलसीदास साझी भाषिक परंपरा के हैं प्रतिनिधि

एनसीआर हेडक्वार्टर में सोमवार को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक महेन्द्र नाथ ओझा ने कहा कि भारत के संविधान में हिंदी को देश की सामाजिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाने की परिकल्पना की गई है. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी यही सपना था. इस परिकल्पना को साकार बनाने के लिए संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल सभी भारतीय भाषाओं के शब्दों और अभिव्यक्तियों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए. मीर गालिब, तुलसीदास जैसे महान रचनाकार इसी साझी भाषिक परंपरा के प्रतिनिधि हैं.

कविता एवं कहानी रचना पर कार्यशाला

जगत तारन गर्ल्स पीजी कॉलेज में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत कविता एवं कहानी रचना विषय पर विशिष्ट व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का प्रारंभ प्राचार्य प्रोफेसर कमला देवी ने गेस्ट के स्वागत से किया. चीफ गेस्ट डॉ आशा देवी व स्पेशल गेस्ट डॉ शैलेश कुमार राजभाषा अधिकारी बेंगलुरु कर्नाटक रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर संतोष भदौरिया किया.

राजभाषा प्रशस्ति काव्य पाठ का समापन समारोह सम्पन्न

प्रयागराज(नि.सं)। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि यश मालवीय, प्रसिद्ध काव्य साहित्यकार तथा डा0 संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। यश मालवीय ने हिन्दी भाषा के उपयोग करने पर बल देने के साथ राजभाषा प्रशस्ति काव्य पाठ के अन्तर्गत अपनी ख्यात रचनाओं से रूबरू कराया। उनके गीतों "फूल हैं हम हाशियों के" तथा "कोई चिनगारी तो उछले" ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डा0 संजय सिंह ने केन्द्र के हिन्दी में विज्ञान प्रसार के प्रयासों की विस्तृत चर्चा की। कार्यालय की हिन्दी अधिकारी डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय के कार्यों को हिन्दी में अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे तथा डा0 अनीता तोमर ने भी शोध कार्यों को यथा सम्भव हिन्दी में करने पर बल दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किसानों तक विज्ञान को ले जाने हेतु हिन्दी में लेख लिखने पर बल दिया। कार्यालय की हिन्दी अधिकारी डा0 श्रीवास्तव द्वारा पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा भाषण प्रतियोगिता, त्वरित लेखन, श्रुतलेखन तथा काव्य पाठन आदि कार्यक्रम की जानकारी दी गयी। साहित्य लेखन में डा0 अनुभा श्रीवास्तव, अनीता तोमर व आलोक यादव को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0डी0 शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता का विशेष सहायोग रहा। हिन्दी पखवाड़ा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले उम्मीदवार क्रमशः हरीश कुमार, अंकुर श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, चार्ली मिश्रा, अमन मिश्रा तथा सत्यव्रत सिंह आदि रहे। कार्यालय कार्य में अधिकाधिक हिन्दी में प्रयोग करने वाले क्रमशः हरीश कुमार, अंकुर, सूरज एवं गोपेश आदि को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

प्रयागराज, 29 सितंबर, 2020 दैनिक जागरण 5

संक्षिप्त खबरें

हिंदी भाषा का करें अधिक प्रयोग : यश मालवीय

प्रयागराज : पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में हिंदी पखवारे का समापन समारोह सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि साहित्यकार यश मालवीय ने कहा कि हिंदी भाषा का प्रयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने अपनी रचनाओं का पाठ किया। केंद्र प्रमुख संजय सिंह ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। केंद्र की हिंदी अधिकारी डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यालय में हिंदी के ज्यादा प्रयोग पर बल दिया। हिंदी पखवारा के दौरान प्रतियोगिताओं में साहित्य लेखन में अनुभा श्रीवास्तव, अनीता तोमर और आलोक यादव क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान हरीश कुमार, अंकुर श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, चार्ली मिश्रा, अमन मिश्रा, सत्यव्रत सिंह आदि शामिल रहे। जास

.....